सत्यमेव जयते

भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि)

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (भापअ केंद्र)

प्रशिक्षण विद्यालय

इंजीनियरिंग स्नातकों तथा विज्ञान स्नातकोत्तरों के लिए

आमंत्रण

- जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रमुख एवं अग्रणी क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पसंद करते हैं,
- जो नाभिकीय रिएक्टर, त्वरक और ईंधन चक्र प्रौद्योगिकियों के विस्तार कार्यक्रमों का हिस्सा बनना चाहते हैं,
- जो इंजीनियरिंग, भौतिकी, रासायनिकी, जैव विज्ञान, भूविज्ञान अथवा भूभौतिकी के क्षेत्र में नवाचारी अनुसंधान में रुचि रखते हैं।

भापअ केंद्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम ओसीईएस-2026 तथा डीजीएफएस-2026 के माध्यम से वैज्ञानिक अधिकारी (भारत सरकार के ग्रुप-ए पद) के रूप में नियुक्ति के लिए इंजीनियरिंग स्नातकों तथा विज्ञान स्नातकोत्तरों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

(https://www.barcocesexam.in)

ओसीईएस-2026: इंजीनियरिंग स्नातकों और विज्ञान स्नातकोत्तर (ओसीईएस) के लिए अगस्त, 2026 से प्रारंभ होने वाला एक वर्षीय अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम (ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम) भापअ केंद्र, मुंबई और एएमडी, हैदराबाद स्थित भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। ओसीईएस कार्यक्रम के सफल समापन पर, प्रशिक्षु वैज्ञानिक अधिकारियों (टीएसओ) को परमाणु ऊर्जा विभाग की किसी एक यूनिट या परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

डीजीएफएस-2026: इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए डीजीएफएस-पऊवि ग्रेज्युएट फेलोशिप स्कीम संस्थानों पर चुनिंदा विशेषज्ञताओं (तालिका-3) में जुलाई, 2026 में प्रारंभ होने वाला एम.टेक में प्रवेश के लिए द्वि-वर्षीय पऊवि स्नातक अध्येतावृत्ति योजना (डीजीएफएस)।

डीजीएफएस कार्यक्रम के सफल समापन पर, डीजीएफएस अध्येताओं की नियुक्ति या तो भापअ केंद्र या आईजीकार में की जाएगी।

ओसीईएस और डीजीएफएस कार्यक्रम उच्चतम पदशीर्षता तक पहुंचने की संभावनाओं सहित आकर्षक कैरियर उन्नति के अवसर प्रदान करते हैं। भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय में एक निश्चित सीमा से अधिक प्रदर्शन करने वाले ओसीईएस टीएसओ मानद विश्वविद्यालय, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए पात्र होंगे और उन्हें एचबीएनआई के एम.टेक/पीएच.डी कार्यक्रमों हेतु क्रेडिट भी प्राप्त होगा। डीजीएफएस अध्येता को पऊवि में शामिल होने के बाद एचबीएनआई के माध्यम से पीएच.डी करने के लिए उनके कैरियर के दौरान अवसर प्राप्त होता है।

पऊवि एक ऐसा कार्यबल तैयार करने के लिए प्रयासरत है जिसमें लैंगिक आधार पर संतुलन प्रतिबिंबित हो और महिला अभ्यर्थियों को आवेदन हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रशिक्षण योजनाएं और रोज़गार विवरण

1. वर्ष 2026-2027 (ओसीईएस-2026) के लिए इंजीनियरिंग स्नातकों तथा विज्ञान स्नातकोत्तरों हेतु एक वर्षीय अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम, भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। तालिका-1 में चयनित अभ्यर्थियों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों/योजनाओं के साथ ओसीईएस विषयों और तत्संबंधी अर्हक डिग्री और पात्र गेट पेपर/विषय की सूची दी गई है। तालिका-2 में प्रत्येक प्रशिक्षण विद्यालय के प्रशिक्षण कार्यक्रम के पात्र विषयों तथा अभिमुखीकरण को शॉर्टलिस्ट किया गया है। एक प्रशिक्षु वैज्ञानिक अधिकारी (टीएसओ) जिसे प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर न्यूनतम **50%** कुल अंक प्राप्त होते हैं उन्हें पाठ्यक्रम के सफल समापनकर्ता घोषित किया जाएगा। सफल टीएसओ को निम्नलिखित में से पऊवि की किसी एक यूनिट में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा:

(ए) भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई*, **(बी)** इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर), कल्पाक्कम, **(सी)** राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरसीएटी), इंदौर, **(डी)** परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रोन केंद्र (वीईसीसी) कोलकाता, **(ई)** भारी पानी बोर्ड (एचडब्ल्यूबी), मुंबई*, **(एफ)** नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी), हैदराबाद*, **(जी)** विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (ब्रिट), मुंबई* **(एच)** न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लि. (एनपीसीआईएल), मुंबई*, **(आई)** भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लि. (भाविनी), कल्पाक्कम, **(जे)** परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), हैदराबाद*, **(के)** यूरेनियम कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लि. (यूसीआईएल), जादुगुडा*, **(एल)** निर्माण, सेवा एवं संपदा प्रबंधन निदेशालय, डीसीएसएंडईएम), मुंबई *

*इन इकाइयों के मुख्यालय उनके नामांकित स्थानों पर हैं, नियुक्तियां इन इकाइयों के मुख्यालय अथवा भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित इनकी किसी भी यूनिट में की जा सकती हैं ।

डीएई अपने किसी भी यूनिट में और साथ ही परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों में टीएसओ स्थापित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

प्रशिक्षण विद्यालय में पाठ्यक्रम कार्य में एक निर्दिष्ट सीमा से ऊपर प्रदर्शन करने वाले टीएसओ पोस्ट ग्रैज्युएट डिप्लोमा के लिए पात्र होंगे अथवा उन्हें मानद विश्वविद्यालय, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान(एचबीएनआई) के एम.टेक/एम.फिल/पीएच.डी कार्यक्रम के लिए क्रेडिट प्राप्त होगा।

2. वर्ष 2026-2028 (डीजीएफएस-2026) के लिए इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए दो-वर्षीय पऊवि ग्रेजुएट फेलोशिप योजना। इस योजना के अंतर्गत इंजीनियरिंग स्नातक जिन्होंने पऊवि भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय कार्यक्रम के लिए चयन साक्षात्कार में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और जिन्होंने तालिका-3 में शॉर्टलिस्ट अनुसार डीजीएफएस संस्थानों और विशेषज्ञताओं में एम. टेक के लिए स्वतंत्र रूप से प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है, उन्हें पऊवि में कैरियर बरकरार रखते हुए एम.टेक. डिग्री को पूरा करने के लिए ट्यूशन शुल्क तथा वृतिका यानि स्टाइपेंड दिया जाता है। डीजीएफएस संस्थान में एक वर्ष के पाठ्यक्रम कार्य के सफल समापन के बाद अध्येता को परियोजना कार्य करना होता है जो पऊवि द्वारा सौंपा जाता है तथा इसका निरीक्षण पऊवि गाइड और डीजीएफएस संस्थान गाइड द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। एम. टेक पाठ्यक्रम के दौरान, उम्मीदवारों को डीजीएफएस संस्थान के नियमों/मानदंडों के अनुसार टीए (शिक्षण प्रशिक्षुता) कार्यक्रम के लिए सेवा देनी होगी। एम.टेक कार्यक्रम के सफल समापन के बाद उन्हें पऊवि में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है। कार्यभार संभालने पर उन्हें सर्वप्रथम भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय, मुंबई में चार महीने का **डीजीएफएस अध्येता के लिए अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम (ओसीडीएफ)** करना होता है। उनकी नियुक्ति भापअ केंद्र** और आईजीकार में की जाएगी । पऊवि यूनिट में डीजीएफएस अध्येता का आबंटन एम.टेक कार्यक्रम के प्रारंभ में किया जाता है।

** अध्येता की नियुक्ति, भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित भापअ केंद्र सुविधाओं में किसी एक में की जा सकती है।

चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के बाद पऊवि में कम से कम तीन वर्ष अध्येता सेवा प्रदान करने हेतु एक निजी क्षतिपूर्ति बंधपत्र (पर्सनल इंडेम्निटी बाण्ड) तथा एक करार निष्पादित करना होता है। ओसीईएस अभ्यर्थी के लिए क्षतिपूर्ति बंधपत्र में ओसीईएस टीएसओ को भुगतान की गई वृतिका एवं पुस्तक भत्ता समाहित होगा। डीजीएफएस अभ्यर्थी के लिए क्षतिपूर्ति बांड# में स्टाईपेंड, डीजीएफएस संस्थान को भुगतान की गई ट्यूशन शुल्क और आकस्मिकता अनुदान के साथ-साथ बीआरएनएस फास्ट ट्रैक प्रोजेक्ट योजना के तहत एम.टेक. परियोजना के लिए आवश्यक उपकरण/उपभोज्य सामग्रियों की खरीद के लिए ₹4,00,000 की अतिरिक्त धनराशि शामिल होगी जो, वास्तविक व्यय के आधार पर होगी। किसी तीसरे पक्ष की प्रतिभूति (श्योरिटी) की आवश्यकता नहीं है ।

डीजीएफएस संस्थान में एम.टेक करने वाले डीजीएफएस अध्येताओं के लिए वास्तविक बंधपत्र राशि अलग हो सकती है जो कि संबंधित संस्थान के ट्यूशन फीज़ शुल्क पर निर्भर करती है।

स्टाइपेंड एवं भत्ते

प्रशिक्षण के दौरान: (i) स्टाइपेंड एवं भत्ते : ओसीईएस टीएसओ तथा डीजीएफएस प्रशिक्षु को उनकी प्रशिक्षण अवधि के दौरान ₹74,000/- प्रति माह का स्टाइपेंड (वृतिका) दी जाती है। इसके अतिरिक्त, ओसीईएस टीएसओ को एकमुश्त पुस्तक भत्ता रुपये ₹30,000/- दिया जाता है। (ii) डीजीएफएस अध्येताओं को एम. टेक कार्यक्रम के लिए ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाती है, दो वर्षों के लिए प्रति वर्ष ₹60,000/- रुपये का एकमुश्त आकस्मिक अनुदान और बीआरएनएस फास्ट ट्रैक परियोजना योजना के तहत ₹4,00,000 तक की अतिरिक्त राशि के साथ परियोजना से संबंधित खर्चों को पूरा करने के लिए भी भुगतान किया जाता है ताकि वास्तविक भुगतान के अनुसार एम. टेक परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक उपकरण/उपभोग्य वस्तुएं खरीदी जा सकें। (iii) ओसीईएस टीएसओ तथा डीजीएफएस प्रशिक्षु के लिए प्रशिक्षण/ एम. टेक कार्यक्रम के दौरान पऊवि अथवा डीजीएफएस संस्थान के छात्रावास में क्रमश: बोर्डिंग तथा लाजिंग अनिवार्य है।

नियुक्ति पर ग्रेड तथा वेतनमान

सभी डीएई या एईआरबी इकाइयों में नियुक्तियां, 7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 10 (मूल वेतन ₹56,000/-) पर भारत सरकार के ग्रुप-ए सेवा में एक वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में की जाएगी। नियुक्तियां, वेतनमान के आरंभिक स्तर पर होंगी और ओसीईएस टीएसओ को ओसीईएस कार्यक्रम के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर दो या तीन वेतनवृद्धियां दी जाएंगी तथा डीजीएफएस अध्येताओं को चार-माह ओसीडीएफ तथा एम.टेक में उनके प्रदर्शन के आधार पर तीन अथवा चार वेतनवृद्धियां*** दी जाएंगी। मुंबई में तैनात उम्मीदवारों के लिए कार्यभार संभालने के समय कुल मासिक परिलब्धियों में (तीन वेतनवृद्धियां सहित) महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और यात्रा भत्ता के तौर पर लगभग ₹1,35,000/- की राशि शामिल होगी। इसके अतिरिक्त, अन्य भत्ते जैसे कि छुट्टी यात्रा रियायत (वायुयान द्वारा) आठ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष (शर्तों के अधीन) तथा उसके बाद दो वर्षों में एक बार दिया जाएगा। बच्चों का शिक्षण भत्ता और वार्षिक व्यावासायिक अद्यतन भत्ता एवं सरकारी मानदंडों के अनुसार कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन योजना (प्रिस) लाभ भी अनुमोदन के अधीन एवं समय-समय पर यथासंशोधित, देय होगा । कर्मचारियों और उनके आश्रित परिजनों के लिए एक संपूर्ण अंशदायी स्वास्थ्य सेवा योजना भी उपलब्ध है।

*** **डीजीएफएस अभ्यर्थी जिनका एम.टेक तथा ओसीडीएफ कार्यक्रमों में प्रदर्शन निर्धारित मानक सीमा से नीचे होगा, उन्हें कोई वेतनवृद्धि नहीं दी जाएगी ।**

चयन प्रक्रिया

ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 में चयन की दो-चरण प्रक्रिया है: (1) अभ्यर्थियों द्वारा निम्नांकित स्क्रीनिंग चैनल में से उनके द्वारा चयनित विकल्प में, उनके प्रदर्शन के आधार पर; तत्पश्चात 2) शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों का **चयन साक्षात्कार**। तालिका-1 में शॉर्टलिस्ट प्रत्येक ओसीईएस स्क्रीनिंग विषय के लिए एक अलग चयन प्रक्रिया है। **इसमें प्रत्येक ओसीईएस/डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय की पात्र अर्हकता डिग्री को दर्शाया गया है और साथ ही, विभिन्न ओसीईएस स्क्रीनिंग विषयों के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है।**

चयन साक्षात्कार के लिए स्क्रीनिंग दो वैकल्पिक चैनलों के माध्यम से की जाएगी :

ए) ऑनलाइन स्क्रीनिंग परीक्षा: यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 50 से शहरों में आठ इंजीनियरिंग ओसीईएस विषयों (कोड 21-28) और पाँच विज्ञान ओसीईएस विषयों (कोड 41-43, 45 और 46) में आयोजित की जाएगी। ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 के लिए ऑनलाइन स्क्रीनिंग परीक्षा मार्च, 2026 में आयोजित की जाएगी। इसमें उपस्थित होने के लिए, आने-जाने हेतु कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा ।

बी) ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) स्कोर: अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026 स्कोर के आधार पर की जाएगी ।

चयन साक्षात्कारों में स्क्रीनिंग के लिए गेट के कट-ऑफ स्कोर का निर्धारण ऑनलाइन परीक्षा के समाप्त होने के बाद ही किया जाएगा और इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे चयन साक्षात्कार चरण में स्क्रीनिंग की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए उपरोक्त निर्दिष्ट दोनों स्क्रीनिंग विकल्पों (अर्थात, भापअ केंद्र ऑनलाइन परीक्षा और गेट) का अधिकतम लाभ उठाएं।

भू-विज्ञान और भूभौतिकी को छोड़कर, अन्य सभी विषयों में शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के चयन साक्षात्कार भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय, मुंबई में आयोजित किए जाएंगे। भू-विज्ञान और भूभौतिकी विषय में साक्षात्कार हैदराबाद में आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार के लिए बाहर से आने वाले आवेदकों को श्रेणी एवं लिंग का विचार किए बिना लघुतम मार्ग से आने-जाने का एसी-3 टियर सामान्य रेल किराया या वास्तविक किराया, जो भी कम हो, दिया जाएगा। चयन साक्षात्कार संभावित रूप से मई-जून, 2026 में आयोजित किए जाएंगे । चयन साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की सूची अप्रैल, 2026 में ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर प्रदर्शित कर दी जाएगी । शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पर उपलब्धता के आधार पर, एक साक्षात्कार स्लॉट का चयन कर सकेंगे। **अंतिम चयन, केवल चयन साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर ही किया जाएगा, जो मेडिकल फिटनेस के अधीन होगा । संबंधित पऊवि इकाई के अस्पताल में पूर्व-रोजगार चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा और पऊवि डॉक्टर द्वारा चिकित्सा योग्यता प्राप्त करने के बाद ही वृतिका जारी की जाएगी।**

पात्रता मापदंड

ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 के लिए अर्हकता डिग्रियाँ और अन्य शैक्षणिक अपेक्षाएँ: जिन अभ्यर्थियों की अर्हकता डिग्री नाम में किसी विशेषज्ञता के साथ मुख्य डिग्री का नाम शामिल है, वे ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 कार्यक्रम के लिए भी पात्र हैं। उन डिग्रियों के नाम भी देखें जो नीचे बताए अनुसार ओसीईएस/डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं ।

(ए) इंजीनियरिंग विषयों के लिए (ओसीईएस स्क्रिनिंग विषय कोड 21-28): सिविल इंजीनियरिंग (सीई), केमिकल इंजीनियरिंग (सीएच), कंप्यूटर इंजीनियरिंग (सीएस), इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (ईसी), इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई), इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन), मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई), मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग (एमटी)। **बीई/बी.टेक./बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/तालिका-1 में उल्लिखित इंजीनियरिंग अर्हकता डिग्री में से कोई एक में न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टेक।** ऐसे आवेदक जो उपर्युक्त आवश्यक अर्हताएं रखते हैं गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनने वाले आवेदकों के पास अर्हकता डिग्री विषय के समान इंजीनियरिंग विषय में **गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026** स्कोर होना चाहिए। **जिनके पास इन शाखाओं में अर्हकता डिग्री है जैसे, एयरोस्पेस इंजी., ऑटोमोबाइल इंजी., ऑटोमोटिव इंजी., एरोनाटिकल इंजीनियरिंग, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, मैन्यूफैक्चरिंग इंजीनियरिंग, माइनिंग मशीनरी इंजीनियरिंग, ऑद्योगिक मेटलर्जी इंजीनियरिंग, रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग, सिरेमिक इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग, जिओलाजी इंजीनियरिंग, माइनिंग इंजीनियरिंग, मैराइन इंजीनियरिंग, बायो-मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रूमेंट्स इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इन्फोर्मेशन टेक्नालाजी, मेकाट्रोनिक्स, डाई एंड डाई इंटरमीडिएट, इलेक्ट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग#, एनर्जी सिस्टम्स, आइल्स एंड फैट, पेंट एंड वार्निश इंजीनियरिंग, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग, प्लास्टिक, पेपर इंजीनियरिंग, सुगर टेक्नालाजी, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, कंट्रोल इंजीनियरिंग, पावर इंजीनियरिंग, पावर प्लांट इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इन्फोर्मेशन साइन्स/टेक्नालॉजी, बायोमेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, बायोमेडिकल इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग, केमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केमिकल टेक्नोलॉजी, एनर्जी इंजीनियरिंग, एनवायरनमेंटल साइन्स इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, बॉयोटेक्नोलॉजी एंड बॉयोकेमिकल, सीएडी/ सीएएम में एमई, कंप्यूटर साइन्स में एम. एससी, मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, कंप्यूटर साइन्स में बी.एससी., केमिकल इंजीनियरिंग में बीएस, इलेक्ट्रिकल एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीएसएमएस, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि में बीएसएमएस प्रोग्राम, पात्र नहीं हैं।**

 # बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बी.ई.)/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/ इलेक्ट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग में 5 वर्षीय एकीकृत एम.टेक. की डिग्री, केमिकल इंजीनियरिंग को छोड़कर, सभी ओसीईएस/डीजीएफएस इंजीनियरिंग विषयों के लिए अयोग्य है। तालिका-1 देखें।

(बी) भौतिकी विषय के लिए (ओसीईएस स्क्रिनिंग विषय कोड 41): भौतिकी (भौतिक विज्ञान) में इंटिग्रेटेड एमएससी/एमएससी/बीएससी स्तर पर भौतिकी एवं गणित के साथ या सहायक और/या सहायक स्तर पर 5 वर्ष की इंटिग्रेटेड एमएससी या अर्हकता डिग्री में न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ भौतिकी में बीई/बीटेक/इंटीग्रेटेड एम.टेक । एमएससी अभ्यर्थियों (5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. डिग्री के साथ आवेदन करने वालों के अलावा) के पास बी.एससी. में न्यूनतम 60%* कुल अंक होने चाहिए। भौतिकी स्नातकोत्तर आवेदक, जिनके पास भौतिकी विषय के लिए उपरोक्त आवश्यक योग्यता है, गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनते हैं, उनके पास 'भौतिकी' में गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026 स्कोर होना चाहिए। जिन आवेदकों के पास बीई/बीटेक (इंजीनियरिंग भौतिकी) है अर्हकता डिग्री के रूप में 'भौतिकी' या 'इंजीनियरिंग विज्ञान' में **गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026 स्कोर** के आधार पर आवेदन किया जा सकता है। **जिन अभ्यर्थियों के एम.एससी में मेडिकल फिजिक्स, केमिकल फिजिक्स, जियोफिजिक्स है, एम.टेक. में भौतिकी (नैनोमटेरियल्स और नैनोटेक्नोलॉजी) आदि है, वे पात्र नहीं हैं ।**

(सी) रसायन विज्ञान विषय के लिए (ओसीईएस स्क्रिनिंग विषय कोड 42): बीएससी तक भौतिकी सहित, रसायन विज्ञान में इंटिग्रेटेड एम.एससी/ एम.एससी, की डिग्री होनी चाहिए जिसमें 5-वर्ष के इंटीग्रेटेड रसायन विज्ञान के मामले में बी.एससी या अनुषंगिक एवं / सहायक स्तर पर भौतिकी विषय होना चाहिए। 5 वर्ष के इंटिग्रेटेड एम.एस.सी के मामले 12वीं कक्षा या बी.एससी. अथवा अनुषंगी एवं/ अथवा सहायक स्तर पर गणित विषय होना चाहिए। एम.एससी में न्यूनतम कुल 60%* अंक होने चाहिए। जिन आवेदकों के पास रसायन विज्ञान विषय के लिए उपरोक्त आवश्यक योग्यता है, गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनते हैं, उनके पास 'रसायन विज्ञान' में **गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026** स्कोर होना चाहिए। **जिनके पास विषय जैसे नैनोसाइंस/नैनोटेक्नोलॉजी रसायन विज्ञान, इंडस्ट्रियल रसायन विज्ञान , एप्लाइड रसायन विज्ञान , टेक्सटाइल रसायन विज्ञान, पर्यावरणीय रसायन विज्ञान, पेट्रोलियम रसायन विज्ञान, नैनोसाइंस, नैनोटेक्नोलॉजी, फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान, केमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेचुरल साइंस, रसायन विज्ञान (एप्लाइड रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ), में विशेषज्ञता के साथ एम.एससी है, फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान में एम. एससी, फार्मास्युटिकल एनालिसिस में एम. फार्म आदि वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।**

(डी) बायोसाइंसेज विषय के लिए (ओसीईएस स्क्रिनिंग विषय कोड 43): जैव विज्ञान, जीवन विज्ञान, कृषि, जैव रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, आण्विक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, पादप विज्ञान, पादप प्रजनन, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य विज्ञान, पशु विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान/कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पादप आण्विक जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, पोषण जीव विज्ञान, जैव भौतिकी एवं आण्विक जीव विज्ञान में इंटीग्रेटेड एमएससी/एमएससी ; खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक एवं बायोसाइंसेज में बीएसएमएस न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ एमएससी साथ ही बीएससी में । खाद्य प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ बीई/बीटेक डिग्री भी ओसीईएस के लिए पात्र डिग्री है। एमएससी आवेदकों के पास 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. के मामले में चरण या सहायक और/या सहायक स्तर पर बीएससी में एक विषय के रूप में भौतिकी या रसायन विज्ञान या जैव रसायन या कृषि रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय होना चाहिए।। जिन आवेदकों के पास जैव विज्ञान विषय के लिए उपरोक्त आवश्यक योग्यता है, गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनते हैं, उनके पास 'जीवन विज्ञान' या 'जैव प्रौद्योगिकी' में गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026 स्कोर होना चाहिए। **जिनके पास विषय जैसे मत्स्य पालन, बागवानी, वानिकी, एग्रोनॉमी विज्ञान, पशुपालन, समुद्री जीव विज्ञान, जैव-विश्लेषणात्मक विज्ञान, होम साइंस, पर्यावरण विज्ञान, जैव-विश्लेषणात्मक विज्ञान, जलवायु विज्ञान, विषाणु विज्ञान, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी आदि में विशेषज्ञता के साथ एम.एससी. की डिग्री हासिल की है और जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक इंजीनियरिंग, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, फूड प्रोसेस इंजीनियरिंग, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी आदि में बीई/बीटेक/बीएससी (इंजीनियरिंग) डिग्री है, जैव प्रौद्योगिकी में बीएससी आदि वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।**

(ई) भूविज्ञान विषय के लिए (ओसीईएस स्क्रिनिंग विषय कोड जीई 45): भूविज्ञान, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में एम.एससी./ ./ इंटीग्रेटेड एम.एससी या समकक्ष एम.टेक.; भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी में इंटीग्रेटेड एम.टेक होने के मामले में भूविज्ञान में बीएससी या सहायक और/या अनुषंगी स्तर के साथ भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी में 5 या 6-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टेक । पात्र अभ्यर्थियों के पास बीएससी तक गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान में से दो विषय होने चाहिए या 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी./5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टेक. के मामले में सहायक और/या अनुषंगिक स्तर पर, एम.एससी./एम.टेक में न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके साथ, पात्र अभ्यर्थियों को 12वीं कक्षा गणित विषय के साथ उत्तीर्ण होनी चाहिए। जिन आवेदकों के पास भू-विज्ञान विषय के लिए उपरोक्त आवश्यक योग्यता है, गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनते हैं, उनके पास "भू-विज्ञान और भूभौतिकी" में गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026 स्कोर होना चाहिए। **जिन अभ्यर्थियों ने भूविज्ञान, माइनिंग इंजीनियरिंग में बी.टेक, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस में विशेषज्ञता के साथ भू-सूचना विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. की डिग्री हासिल की है, भूविज्ञान/भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी आदि में बी.टेक वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।**

(एफ) भूभौतिकी विषय के लिए (ओसीईएस स्क्रिनिंग विषय कोड जीपी 46): भूभौतिकी में एम.एससी./ इंटीग्रेटेड एम.एससी होने के मामले में भूभौतिकी में बीएससी या सहायक और/या अनुषंगी स्तर के साथ भूभौतिकी में 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. एससी । पात्र अभ्यर्थियों के पास बीएससी तक गणित होना चाहिए या 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. के मामले में सहायक और/या अनुषंगिक स्तर पर, एम.एससी. में न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। जिन आवेदकों के पास भूभौतिकी विषय के लिए उपरोक्त आवश्यक योग्यता है, गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनते हैं, उनके पास "भू-विज्ञान और भू-भौतिकी" में गेट-2024, गेट-2025 या गेट-2026 स्कोर होना चाहिए।

नोट: केवल पूर्णकालिक/कैंपस में रहकर प्राप्त की गई नियमित शैक्षणिक डिग्रियों को ही योग्यता और पूर्व-योग्यता डिग्रियों के लिए मान्य माना जाएगा। पत्राचार, दूरस्थ शिक्षा/अध्ययन, अनुसंधान, अंशकालिक आदि माध्यमों से प्राप्त शैक्षणिक डिग्रियां इसके लिए पात्र नहीं हैं।

***संबंधित विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार न्यूनतम 60% अंक (या 10.0 या समकक्ष के पैमाने पर न्यूनतम 6.0 सीजीपीए)।**

B. डीजीएफएस में प्रवेश: (जैसा कि तालिका 1 में कोड 21-28 सूचीबद्ध है) विषयों में अर्हकता डिग्री रखने वाले अभ्यर्थी और जो ऊपर सूचिबद्ध संबंधित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे डीजीएफएस के लिए आवेदन करने के पात्र हैं, बशर्ते कि वे शैक्षणिक वर्ष 2026, **डीजीएफएस संस्थानों में और तालिका-3 में सूचीबद्ध विशेषज्ञताओं में एम. टेक.** के लिए प्रवेश सुरक्षित कर लें। । एम.टेक में प्रवेश की पुष्टि की सूचना ओसीईएस-2026 चयन सूची की घोषणा के बाद दी जानी चाहिए। **ओसीईएस के लिए चयन के साथ-साथ डीजीएफएस संस्थानों में से किसी एक में वैध एम.टेक विशेषज्ञताओं में से किसी एक में प्रवेश सुरक्षित करना, अभ्यर्थी को डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र बनाती है और डीजीएफएस फैलोशिप पऊवि कार्यक्रमों की आवश्यकताओं के अनुसार और चयन साक्षात्कार में प्रदर्शन के अनुसार केवल सबसे मेधावी अभ्यर्थियों को प्रदान की जाएगी।**

C. अधिकतम आयु सीमा (1 अगस्त, 2026 को आयु) ए) सामान्य श्रेणी - 26 वर्ष, बी) ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) -29 वर्ष, सी) एससी/एसटी - 31 वर्ष, डी) 1984 के दंगों में मरने वालों के आश्रित (डीईपी 1984) -31 वर्ष, ई) 01/01/1980 से 31/12/1989 (कश्मीर अधिवासी) तक जम्मू और कश्मीर राज्य के कश्मीर संभाग में रहने वाले व्यक्ति -31 वर्ष। 40% या अधिक विकलांगता सीमा वाली शारीरिक विकलांगता वाले व्यक्ति को आयु में छूट के लिए विचार किया जाएगा और उसे एक स्क्राइब की अनुमति दी जा सकती है।

न्यूनतम आयु सीमा (1 अगस्त, 2026 को आयु): 18 वर्ष

D. राष्ट्रीयता: आवेदक अनिवार्य रूप से भारत का नागरिक होना चाहिए।

E. केंद्र/राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/सहायताप्राप्त संस्थानों में कार्यरत आवेदकों को चयन साक्षात्कार के समय अपने संगठन से एक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा उन्हें साक्षात्कार का अवसर नहीं दिया जाएगा।

F.आवेदन शुल्क: सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पुरुष आवेदकों से ₹ 500 अप्रतिदेय आवेदन शुल्क लिया जाएगा। **महिला अभ्यर्थियों, ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी, अजा/अजजा से संबंधित अभ्यर्थियों, युद्ध के दौरान मारे गए रक्षा कर्मियों के आरक्षित परिजनों (डीओडीपीकेआईए) तथा दिव्यांगजनों को छूट दी गई है और उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा।**

अकादमिक वर्ष 2025-26 में स्नातक होने जा रहे तथा अंतिम परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। यदि वे अभ्यर्थी चयनित होते हैं जो अन्य सभी दृष्टि से पात्र हैं लेकिन अपने **अंतिम परीक्षा परिणामों की प्रतीक्षा** कर रहे हैं तो ऐसे अभ्यीर्थियों को पाठ्यक्रम आरंभ करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ओसीईएस अथवा डीजीएफएस में इन अभ्यर्थियों को बरकरार तभी रखा जाएगा जब उनके अपने अंतिम परीक्षा परिणाम की अंकतालिका, ओसीईएस/ डीजीएफएस कार्यक्रमों की पात्रता आवश्यकताओं की पूर्ति अनुसार होगी तथा ओसीईएस टीएसओ के मामले में ये **दिनांक 31 दिसंबर, 2026** तक जमा कर दी जानी चाहिए एवं डीजीएफएस अध्येताओं के मामले में संबंधित डीजीएफएस संस्थान की आवश्यकता अनुसार जमा की जानी चाहिए। यह भी नोट किया जाए कि अर्हक डिग्री प्रदान करने के लिए सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को **31 जुलाई 2026** से पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए। जिन अभ्यर्थियों के अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा की जा रही है, उन्हें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल होने की तारीख को अर्हक डिग्री प्रदान करने के लिए अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं के पूरा होने के बारे में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र लाना होगा।

जिन अभ्यर्थियों ने शुल्क से छूट का लाभ उठाया है, उन्हें परीक्षा केंद्र पर सत्यापन के लिए वैध प्रासंगिक प्रमाण लाना आवश्यक है।

<u>आवेदन कैसे करें</u>–

अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण अपडेट्स हेतु तालिका में निर्धारित अवधि के दौरान वेबसाइट <u>http://www.barcocesexam.in</u> का अवलोकन करना होगा और इसमें निर्दिष्ट अनुदेशों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन जमा करने होंगे। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे आवेदन करने से पूर्व "इंफोर्मेशन ब्राउशर" का समुचित अध्ययन कर लें।

तालिका 1: विभिन्न ओसीईएस/डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय एवं लागू प्रशिक्षण योजना के लिए पात्र अर्हकता डिग्री का विवरण ।

ओसीईएस/डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय कोड	ओसीईएस/ डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय	पात्र अर्हक डिग्री का विवरण (जिन अभ्यर्थियों की अर्हक डिग्री के नाम में किसी विशेषज्ञता के साथ मुख्य डिग्री का नाम शामिल है, वे भी ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं। उन डिग्रियों के नाम भी देखें जो ओसीईएस/डीजीएफएस पाठ्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं)	गेट विषय/पेपर (गेट पेपर कोड)	भापअ केंद्र टीएस की प्रशिक्षण योजना
एमई (21)	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी.टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग)/ 5- वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	मैकेनिकल इंजीनियरिंग(एमई)	मैकेनिकल
सीएच (22)	केमिकल इंजीनियरिंग	केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रो-केमिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. /बी. टेक/बी.एससी (इंजीनियरिंग)/5- वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	केमिकल इंजीनियरिंग (सीएच)	केमिकल
एमटी (23)	मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग	मेटॅलर्जी/ मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग, मटेरियल इंजीनियरिंग, मेटॅलर्जी एंड मटेरियल इंजीनियरिंग, मेटॅलर्जी एंड मटेरियल साइंस, मेटॅलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग, मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी. टेक/ बी.एससी (इंजीनियरिंग) / 5- वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग (एमटी)	मेटॅलर्जी
ईई (24)	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी. टेक /बी. एससी (इंजीनियरिंग)/ 5- वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई)	इलेक्ट्रिकल
ईसी (25)	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में बीई/बी.टेक/बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी)	इलेक्ट्रॉनिक्स
सीएस (26)	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग	कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.ई./ बी. टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग) / 5- वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक ।	कंप्यूटर साइंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी (सीएस)	कंप्यूटर साइंस
आईएन (27)	इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग	इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग, इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग में बी.ई/ बी.टेक/बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	इंस्ट्रुमेंटेशन
सीई (28)	सिविल इंजीनियरिंग	सिविल इंजीनियरिंग में बी.ई./ बी. टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग)/ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	सिविल इंजीनियरिंग (सीई)	सिविल
पीएच (41)	भौतिकी विषय	भौतिकी(भौतिक विज्ञान)/अनुप्रयुक्त भौतिकी में इंटीग्रेटेड एमएससी/एमएससी	भौतिकी (पीएच)	भौतिकी अथवा आरएसईएस
		इंजीनियरिंग भौतिकी में बीई/बी.टेक./ इंटीग्रेटेड एम.टेक	भौतिकी (पीएच) अथवा इंजीनियरिंग विज्ञान (एक्सई)	
सीवाई(42)	रसायन विषय	रसायन विज्ञान में इंटीग्रेटेड एमएससी/एमएससी	रसायन विज्ञान (सीवाई)	रसायन विज्ञान, अथवा आरएसईएस
बीएस (43)	जैव विज्ञान	जैव विज्ञान, जीवन विज्ञान, कृषि, जैव रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, आण्विक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, पादप विज्ञान, पादप प्रजनन, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य विज्ञान, पशु विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान, जैव सूचना / कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी, पादप आण्विक जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, पोषण जीव विज्ञान, जैव भौतिकी एवं आण्विक जीव विज्ञान में इंटिग्रेटेड एमएससी/एम.एससी ; खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक एवं जैव विज्ञान में बीएसएमएस	जीवन विज्ञान (एक्स एल) अथवा जैव प्रौद्योगिकी (बीटी)	जैव विज्ञान
		खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.ई./ बी. टेक/ बी. एससी (टेक.)		
जीई (45)	भूविज्ञान विषय	भूविज्ञान, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान, एमएससी अथवा समकक्ष एम.टेक.	भूविज्ञान एवं भूभौतिकी (जीजी)	भूविज्ञान शास्त्र
जीपी (46)	भूभौतिकी विषय	भूभौतिकी में एमएससी/./ इंटीग्रेटेड एम.एससी	भूविज्ञान एवं भूभौतिकी (जीजी)	भूभौतिकी शास्त्र

महत्वपूर्ण नोट:

1. आरएसईएस-रेडियोलॉजिकल सेफ्टी एंड एन्वायर्नमेंटल साइंस और यह भौतिकी (पीएच) या रसायन विज्ञान (सीवाई) ओसीईएस विषय के माध्यम से चुने गए अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण योजना है।
2. **जिन अभ्यर्थियों की अर्हता डिग्री नाम में किसी भी प्रासंगिक विशेषज्ञता के साथ कोर डिग्री नाम शामिल है, वे भी ओसीईएस/डीजीएफएस.-2026 कार्यक्रम के लिए पात्र हैं। उन डिग्री के नाम भी देखें जो ओसीईएस/डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं जैसा कि इस विज्ञापन के "पात्रता मापदंड " खंड में उल्लेख किया गया है। अभ्यर्थी केवल एक ही ओसीईएस स्क्रीनिंग विषय के लिए आवेदन कर सकते हैं।**
3. **प्रमुख विषयों की हाइब्रिड डिग्री भी ओसीईएस/डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं है।**
4. **भापअ केंद्र टीएस ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 कार्यक्रम के लिए आवेदकों के अभिलेख, अंतिम चयन परिणाम के प्रकाशन की तिथि से 4 माह से अधिक समय तक नहीं रखे जाएंगे।**

"प्राधिकार का प्रयोग करने वाले प्राधिकारी: ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 भर्ती से संबंधित सभी मामलों में, भापअ केंद्र, मुंबई में सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा और आवेदकों पर बाध्यकारी होगा और वे पूर्ण रूप से इस निर्णय का पालन करेंगे। आवेदक मामले को प्रस्तुत करते समय सीधे न्यायालय नहीं जाएंगे और भापअ केंद्र में सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्णय लिए जाने तक प्रतीक्षा करेंगे। ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 भर्ती के संबंध में उत्पन्न होने वाले किसी भी दावे या विवाद के मामले में, ऐसी कार्यवाहियों, वाद, कार्रवाई या इससे संबंधित कार्यवाहियां मुंबई, भारत के न्यायालयों के विशेष अधिकार क्षेत्र के अधीन भारत गणराज्य के कानून के अनुसार शासित/चलाए जाएंगे।"

तालिका -2: विभिन्न स्क्रीनिंग ओसीईएस/डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषयों और प्रशिक्षण के अभिमुखी स्वरूप के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण विद्यालय ।

प्रशिक्षण विद्यालय	स्क्रीनिंग विषय जिसके माध्यम से चयनित अभ्यर्थी (तालिका-1 देखें)	अभिमुखी प्रशिक्षण
भापअ केंद्र, मुंबई (1957 से)	सीई (सिविल इंजीनियरिंग), सी एच (केमिकल इंजीनियरिंग), सी एस (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग), ईसी (इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग), ईई (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग), आईएन (इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग), एमई (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), एमटी (मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग), पीएच-फिजिक्स, सीवाई-केमिस्ट्री, बीएस (बायोसाइंसेज)	• नाभिकीय रिएक्टरों का इंजीनियरिंग डिजाइन, विकास, प्रचालन एवं अनुरक्षण • मूल विज्ञान और इंजीनियरिंग के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान
एएमडी, हैदराबाद (2010 से)	जीई (भूविज्ञान), जीपी (भूभौतिकी)	• यूरेनियम एवं अन्य परमाणु खनिजों के लिए अन्वेषण तकनीक और संबंधित अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

तालिका-3: डीजीएफएस हेतु स्वीकार्य एम. टेक. विशेषज्ञता / पाठ्यक्रम और अर्हक डिग्री (विषय)

क्र.सं.	डीजीएफएस संस्थान में विभाग/ केंद्र का नाम	प्रासंगिक एम. टेक कार्यक्रम/विशेषज्ञता	अर्हक डिग्री का विवरण # (विषय)	स्वीकार्य गेट विषय और गेट विषय कोड	डीजीएफएस संस्थान**
1	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	थर्मल एंड फ्लूइड्स इंजीनियरिंग, थर्मल इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल डिजाइन	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मैकेनिकल इंजी. (एमई)	आईआईटीबी , आईआईटीएम
2	एप्लाइड मेकॅनिक्स	कम्प्यूटेशनल एवं एक्सपेरिमेंटल मैकेनिक्स	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मैकेनिकल इंजी. (एमई)	आईआईटीएम
3	केमिकल इंजीनियरिंग	रसायन इंजीनियरिंग	केमिकल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रो-केमिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	केमिकल इंजी (सीएच)	आईआईटीबी , आईआईटीएम
4	मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग और मटेरियल साइंस (आईआईटीबी), मेटलर्जिकल और मटेरियल इंजीनियरिंग (आईआईटीएम)	मटेरियल साइंस, प्रोसेस इंजीनियरिंग, कोरोज़न साइंस एवं इंजीनियरिंग, मेटेलर्जिकल एवं मटेरियल इंजीनियरिंग	मेटलर्जी/ मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग/ मटेरियल इंजीनियरिंग/ मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग/ मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग/ मेटलर्जी एंड मटेरियल साइंस में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मेटलर्जिकल इंजी. (एमटी)	आईआईटीबी , आईआईटीएम
5	भौतिक विज्ञान	फंक्शनल मैटेरियल एवं नैनो टेक्नोलॉजी	मेटलर्जी / मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग/ मटेरियल इंजीनियरिंग/ मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग/ मटेरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग। / मेटलर्जी एवं मटेरियल इंजीनियरिंग। / मेटलर्जी एवं मटेरियल साइंस में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मेटलर्जिकल इंजी. (एमटी)	आईआईटीएम
6	सिविल इंजीनियरिंग	स्टरकचर्ल इंजीनियरिंग, जियो टेकनिकल इंजीनियरिंग, कंस्ट्रकसन टेक्नोलॉजी एवं मेनेजमेंट	सिविल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	सिविल इंजी. (सीई)	आईआईटीबी
7	इन्वायरॉन्मेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग	पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	सिविल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	सिविल इंजी. (सीई)	आईआईटीबी
8	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, कंट्रोल एवं कम्प्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, इंटीग्रेटड सर्किट एंड सिस्टम, इंटीग्रेटड सर्किट एंड सिस्टम	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में बीई/बी.टेक./बी.एससी. (इंजी.)	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई) , इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी) / इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	आईआईटीबी
9	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	इंटीग्रेटड सर्किट एंड सिस्टम, कम्यूनिकेशन एंड सिग्नल प्रोसेसिंग, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एंड इंस्ट्रुमेंटेशन, कंट्रोल एंड ऑप्टीमाइजेशन	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियरिंग में बी.ई/ बी. टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग)	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजी. (ईसी)/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	आईआईटीएम
10	सिस्टम एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग के लिए अंतःविषय वर्ग	सिस्टम एंड कंट्रोल्स इंजीनियरिंग	इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजी. में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	इलेक्ट्रिकल इंजी. (ईई)/ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी)/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	आईआईटीबी
11	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	कंप्यूटर विज्ञान/ कंप्यूटर इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएस)	आईआईटीबी
12	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	कंप्यूटर विज्ञान/ कंप्यूटर इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर विज्ञान एंड इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएस)/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी)	आईआईटीएम

 # जिन अभ्यर्थियों के अर्हक डिग्री नाम में किसी भी विशेषज्ञता के साथ कोर डिग्री नाम शामिल है, वे भी ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 कार्यक्रम के लिए पात्र हैं। उन डिग्री के नाम भी देखें जो ओसीईएस/डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं जैसा कि इस विज्ञापन के "पात्रता मापदंड " खंड में उल्लेख किया गया है। ।

**संस्थान जहां निर्धारित एम. टेक पाठ्यक्रम इस योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं: आईआईटीबी = आईआईटी बॉम्बे, आईआईटीएम= आईआईटी मद्रास। डीजीएफएस योजना के अंतर्गत संस्थानों में प्रत्येक एम. टेक विशेषज्ञता में चयनित डीजीएफएस अध्येता की संख्या पऊवि की आवश्यकताओं पर आधारित होगी।

संबंधित एम.टेक विशेषज्ञता के लिए कृपया <u>https://www.barcocesexam.in</u> पर उपलब्ध सूचना ब्रोशर देखें।

महत्वपूर्ण नोट: रोजगार समाचार के इस हिंदी विज्ञापन में किसी त्रुटि की स्थिति में, रोजगार समाचार पत्र के इस विज्ञापन का अंग्रेजी संस्करण को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

महत्वपूर्ण तिथियां (सभी तिथियां अस्थायी हैं और आवेदक अद्यतन रहने के लिए ऑनलाइन एप्लीपकेशन पोर्टल https://www.barcocesexam.in का नियमित अवलोकन करते रहें।	
ओसीईएस/डीजीएफएस - 2026 हेतु ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल का शुभारंभ	22 दिसंबर , 2025 (संभावित)
ओसीईएस/डीजीएफएस - 2026 हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि	21 जनवरी, 2026
ओसीईएस/डीजीएफएस - 2026 ऑनलाइन आवेदन हेतु संशोधन अवधि	7 से 14 फरवरी, 2026
ओसीईएस/डीजीएफएस - 2026 ऑनलाइन परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा स्थल का आबंटन	15 फरवरी से 25 फरवरी, 2026
ऑनलाइन परीक्षा	14 एवं 15 मार्च, 2026
अभ्यर्थियों द्वारा गेट - 2026 स्कोर अपलोड करने हेतु अवधि	26 मार्च से 2 अप्रैल, 2026
ओसीईएस 2026 हेतु ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों की सूची का प्रदर्शन	अप्रैल 2026 का दूसरा सप्ताह
ओसीईएस/डीजीएफएस - 2026 हेतु स्क्रीन्ड इन अभ्यर्थियों हेतु साक्षात्कार स्लॉट चयन हेतु ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर उपलब्धता के आधार पर विकल्प	20 अप्रैल - 26 अप्रैल 2026
चयन साक्षात्कार	12 मई से 12 जून 2026 तक
ओसीईएस-2026 के लिए अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची का ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर प्रदर्शन	जून 2026 का अंतिम सप्ताह
चयनित ओसीईएस-2026 अभ्यर्थियों के लिए जो डीजीएफएस - 2026 के इच्छुक हैं, उन्हें डीजीएफएस संस्थान में एम. टेक प्रवेश का विवरण देने हेतु अंतिम तिथि	जुलाई 2026 का प्रथम सप्ताह
डीजीएफएस-2026 के लिए चयनित आवेदकों की सूची का ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर घोषणा	जुलाई 2026 का द्वितीय सप्ताह
ओसीईएस/डीजीएफएस - 2026 हेतु चयनित अभ्यर्थियों के लिए पूर्व-रोजगार चिकित्सा परीक्षण	1 जुलाई 2026 एवं 23 जुलाई -30 जुलाई 2026
ओसीईएस-2026/ डीजीएफएस-2026 का प्रांरभ	31 जुलाई 2026

ओसीईएस/डीजीएफएस-2026 कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के इच्छुक व्यक्ति वेबसाइट https://www.barcocesexam.in पर 22 दिसंबर, 2025 से आवेदन करें और उसमें दिए गए निर्देशों का पालन करें।